Admission to M.A. (Hindi) Delhi University

2514. SHRI LILADHAR KOTOKI: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the minimum percentage requirement for students for admission to M. A. (Hindi) in Delhi University is higher to the extent that the University do not get even half of the candidates of the total seats available;

(b) the reasons for keeping such a higher percentage of marks for admission specially for Hindi classes when Government are propagating and spending so much for Hindi;

(c) whether Government propose to issue instructions to the University to admit all those candidates who have obtained at least 50 per cent marks in Hindi; and

(d) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF EDUCATION (DR. TRIGUNA SEN): (a) It is not a fact that the University of Delhi does not get enough candidates for admission to M.A. (Hindi) because of the minimum percentage of marks prescribed for admission.

(b) Does not arise.

(c) and (d). The University being an autonomous body, it has full discretion to fix the conditions of eligibility for admission to the courses of studies.

केन्द्रीय तथा राज्य स्तर पर हिन्दी में पत्र व्यवहार

2515. **श्री नाथूराम अहिरवार** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उन हिन्दी भाषी राज्यों के नाम क्या हैं, जिन्होंने राज्य तथा केन्द्रीय स्तर पर हिन्दी में पत्र-व्यवहार आरम्भ कर दिया है;

(ख) क्या सरकार ने भी इस नीति का अनुसरण किया है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश की सरकारें केन्द्रीय सरकार के पत्र-व्यवहार का भी प्रयोग करने लगी हैं ।

(ख) आदेश पहले से ही मौजूद है कि इन राज्यों से प्राप्त होने वाले सभी हिन्दी पत्रों का उत्तर हिन्दी में ही दिया जाय । इसके अतिरिक्त इन राज्यों के साथ किये जाने वाले हर प्रकार के पत्र-व्यवहार के लिए यथासम्भव यह प्रयत्न भी करना है कि हिन्दी अधिक से अधिक प्रयोग में लाई जावे ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

साम्प्रदायिक दंगे

2516. **श्री नाथूराम अहिरवार** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले चार महीनों में जहां जहां साम्प्रदायिक दंगे हुए हैं, उन स्थानों के नाम क्या हैं; और

(ख) उन स्थानों में से ऐसे स्थानों के नाम क्या हैं, जिनके सम्बन्ध में जांच-कार्य पूरा हो चुका है तथा वहां हुए दंगों के संबंध में कितने लोगों को दण्ड दिया गया है और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) और (ख). पिछले 4 महीनों में पंजाब, हरियाणा, नागालैण्ड आसाम, उड़ीसा राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्र चण्डीगढ़, लक्कादीव, मीनीकोय और आदमगीर द्वीप समूह, पाण्डेचेरी, त्रिपुरा, मनीपुर, गोवा, दमन व दीव, हिमाचल प्रदेश और दादरा और नागर हवेली, नेफा में कोई

साम्प्रदायिक दंगे नहीं हुए । अन्य राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों के बारे में सूचना एकत्रित की जा रही है ।

पुरातत्वीय वस्तुओं की विदेशों को तस्करी

2517. **श्री ओंकार लाल बोहरा** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न भागों से महत्वपूर्ण पुरातत्व सामग्री को विदेशों में चोरी छिपे भेजा जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार को अब तक कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ग) ऐसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों पर सरकार द्वारा क्या प्रतिबन्ध लगाये गये हैं और सरकार को मिले मामलों पर क्या कार्यवाही की गई है; और

(घ) राजस्थान में पुरातत्वीय अनुसंधान कराने के लिये सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं और भविष्य के लिए योजना का ब्यौरा क्या है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) बड़े पैमाने पर तस्करी के बारे में कोई सरकारी सूचना प्राप्त नहीं हुई है ।

(ख) दो ।

(ग) पुरावशेष (निर्यात नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत पुरावशेषों का निर्यात निषिद्ध है । राज्य सरकारों, सीमाशुल्क प्राधिकारियों तथा पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि वे तस्करी और पुरावशेषों के अनधिकृत निर्यात पर कड़ी निगरानी रखें । तस्करी रोकने के लिए सरकार विभिन्न उपायों पर भी विचार कर रही है । अभी तक प्राप्त शिकायतों की केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच की जा रही है ।

(घ) राजस्थान के श्री गंगानगर जिले के काली बंगा में 1960–61 से बड़े पैमाने पर खुदाई चल रही है । यह खुदाई पूरी होने तक चलती रहेगी ।

उदयपुर (राजस्थान) के निकट जवार माला में खुदाई कार्य

2518. **श्री ओंकार लाल बोहरा** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उदयपुर (राजस्थान) के निकट "जवार माला" में जस्ते की खानों के पास एक पूरे के पूरे नगर के अवशेषों को खोद निकालने के लिये सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या प्राचीन अवशेषों का पता लगाने के बारे में कोई कार्यवाही करने का विचार है; और

(ग) राजस्थान में इस समय किये जा रहे महत्वपूर्ण खुदाई कार्यों का ब्यौरा क्या है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री शेर सिंह) : (क) सरकार को इस स्थल की पुरातत्वीय संभावनाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं है । आवश्यक पूछ-ताछ की जा रही है ।

(ख) उक्त (क) के अन्तर्गत की जाने वाली पूछ-ताछ पूरी हो जाने पर मामले पर विचार किया जा सकता है ।

(ग) काली बंगा, जिला गंगानगर में 1960–61 से एक महत्वपूर्ण खुदाई चल रही है । खुदाई के परिणामस्वरूप हड़प्पाकालीन बस्ती का पता चला है, जिसमें उससे पहले की बसावट के भी अवशेष हैं ।